पंजाब केसरी 13/01/2026

जी.एम.एन. कॉलेज एवं जी.एम.एन. कॉलेज ऑफ नर्सिंग के विद्यार्थियों को 'रन फॉर स्वदेशी' के लिए हरी झंडी दिखाते प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त। (चंद्रमोहन)

राष्ट्रीय चेतना एवं आत्मगौरव को सुदृढ़ करता है स्वदेशी उत्पादों का प्रयोग : डॉ. रोहित दत्त

» जी.एम.एन. कॉलेज के विद्यार्थियों ने 'रन फॉर स्वदेशी' से दिया स्वदेशी से सशक्त भारत का संदेश

अम्बाला, 12 जनवरी (बलराम): छावनी स्थित जी.एम.एन. कॉलेज एवं जी.एम.एन. कॉलेज ऑफ नर्सिंग के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को 'रन फॉर स्वदेशी' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने स्वदेशी से सशक्त भारत का संदेश दिया। 'रन फॉर स्वदेशी' को जी.एम.एन. कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर जी.एम.एन. कॉलेज ऑफ नर्सिंग के प्राचार्य डॉ. रामलखन माली विद्यार्थियों के उत्साहवर्धन के लिए विशेष तौर पर मौजूद रहे।

अपने संबोधन में प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त ने विद्यार्थियों को स्वदेशी का महत्व बताते हुए कहा कि स्थानीय एवं स्वदेशी उत्पादों को अपनाना न केवल देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करता है, बल्कि राष्ट्रीय चेतना एवं आत्मगौरव को भी सुदृढ़ करता है। उन्होंने युवाओं से स्वदेशी को अपनी जीवनशैली का अभिन्न अंग बनाने का आह्वान किया तथा इसके दूरगामी लाभों को विस्तारपूर्वक समझाया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य देशवासियों में स्वदेशी उत्पादों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को सशक्त करना था।

'रन फॉर स्वदेशी' के दौरान एन.सी.सी. कैडेट्स, शारीरिक शिक्षा विभाग के विद्यार्थियों, एन.एस.एस. स्वयंसेवकों, जी.एम.एन. कॉलेज ऑफ नर्सिंग के विद्यार्थियों और सभी शिक्षकगण एवं कर्मचारीगण ने हाथों में प्रेरणादायक तख्तियां लेकर 'स्वदेशी अपनाएं, देश को सशक्त बनाएं' जैसे नारों के माध्यम से कॉलेज परिसर एवं उसके आसपास के क्षेत्रों में आमजन को स्वदेशी उत्पादों के उपयोग हेतु प्रेरित किया।

'रन फॉर स्वदेशी' कार्यक्रम ने समाज में स्वदेशी अपनाने का एक सशक्त संदेश दिया और पूरे वातावरण को देशभक्ति एवं सामाजिक जागरूकता से ओत-प्रोत कर दिया।